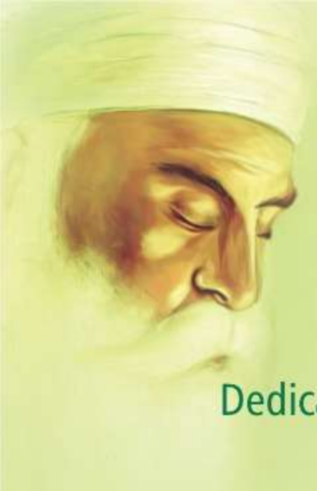

ਪਵਣੁ ਗੁਰੂ ਪਾਣੀ ਪਿਤਾ ਮਾਤਾ ਧਰਤਿ ਮਹਤੁ॥

"Air is the Guru, Water is the Father and
Earth is the Great Mother of All"

Dedicated to 550th Birth Anniversary year of

Guru Nanak Dev Ji

Prof. S.S. Marwaha, Chairman
Punjab Pollution Control Board
Cordially invites you to

One day workshop on Awareness for Environment Protection

Better Environment, Better Tomorrow

7th February, 2020, at
Dr. Manmohan Singh Auditorium PAU, Ludhiana
9.30 a.m. onwards

Hon'ble Justice Adarsh Kumar Goel
Chairperson, National Green Tribunal
has kindly consented to preside over the Workshop.

GUEST OF HONOUR

Justice Jasbir Singh, Chairman,
NGT Monitoring Committee for Rivers Sutlej & Beas
Justice Pritam Pal, Chairman,
NGT Monitoring Committee for River Ghaggar
and
Sh. Alok Shekhar
Principal Secretary, Deptt. of Science, Technology & Environment

R.S.V.P.
Er. Krunesh Garg, Member Secretary, M : 98789-50503

Committed to Save Environment

Committed to Save Environment

Impact of coronavirus

China GDP could fall to 3.9% in worst-case

पीपीसीबी ने कराई श्री गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व को समर्पित वर्कशॉप

पर्यावरण बचाने के लिए प्रयास जरूरी: एनजीटी चेयरपर्सन

बलदेव ढिल्लों (वीसी, पीएयू) | प्रो. सीआर बाबू (पूर्व वीसी, डीयू) | प्रो. एसएस मरवाहा (चेयरमैन, पीपीसीबी) | अलोक शेखर (प्रमुख सचिव) | जस्टिस जसबीर सिंह (चेयरमैन, एनजीटी कमेटी) | जस्टिस आदर्श गोयल (चेयरपर्सन, एनजीटी) | जस्टिस प्रीतमपाल (चेयरमैन, एनजीटी कमेटी) | बीके झा (चीफ कमिश्नर इनकम टैक्स)

सिटी रिपोर्टर | लुधियाना

वातावरण बचाने और इस दिशा में जन मुहिम चलाने के लिए लोगों को सहयोग देना चाहिए। हर देशवासी का फर्ज है कि वह आने वाली पीढ़ियों के लिए वातावरण को बचाए। यह कहना है नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के चेयरपर्सन जस्टिस आदर्श कुमार गोयल का। जस्टिस गोयल शुक्रवार को पंजाब प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड की तरफ से पीएयू स्थित डॉ. मनमोहन सिंह ऑडिटोरियम में करवाई वर्कशॉप को संबोधित कर रहे थे। वर्कशॉप श्री गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व को समर्पित रही, जोकि बेहतर वातावरण बेहतर कल विषय पर करवाई गई थी। उद्घाटनी समारोह को संबोधित कर जस्टिस गोयल ने कहा कि इस वर्कशॉप को करवाने का उद्देश्य है कि वातावरण को बचाने के लिए सभी का सहयोग लेने के लिए बड़े स्तर पर जागरूकता मुहिम चलाई जाए, क्योंकि अगर हम वातावरण को बचाने के लिए आज यत्न नहीं करेंगे तो हमारा आने वाला कल खराब हो जाएगा। स्थिति दिनोंदिन बद से बदतर होती जा रही है। इस बारे में सुप्रीम कोर्ट और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की तरफ से पानी, हवा और वेस्ट मैनेजमेंट को लेकर हिदायतें भी जारी की गई हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्कशॉप को वातावरण को बचाने के लिए सभी को एक मंच पर एकजुट होने और साझे यत्न शुरू करने का संदेश दिया, ताकि बेहतर वातावरण का निर्माण कर बेहतर कल की बुनियाद रखी जा सके।

श्री गुरु नानक देव की शिक्षाओं पर अमल करने की जरूरत : जस्टिस जसबीर

वर्कशाप को संबोधित कर सतलुज और ब्यास दरियाओं के लिए एनजीटी की बनाई मॉनिटरिंग कमेटी के चेयरमैन जस्टिस जसबीर सिंह ने कहा कि दिनोंदिन बढ़ रहे प्रदूषण के चलते विश्व वातावरण बदलाव की स्थिति में गुजर रहा है। अगर वातावरण इसी तरह बदलता रहा तो यह नुकसान कभी पूरा नहीं हो पाएगा। उन्होंने इस दिशा में श्री गुरु नानक देव की शिक्षा पर भी सही अर्थों में अमल करने की सलाह दी। घग्घर दरिया के लिए बनाई कमेटी के चेयरमैन जस्टिस प्रीतमपाल ने इस बात पर जोर दिया कि आज समय की जरूरत है कि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को ऐसा वातावरण देकर जाएं कि वह सेहतमंद जीवन व्यतीत कर सकें।

वातावरण बचाने को बनाएं रणनीति : प्रो. मरवाहा

पीपीसीबी के चेयरमैन प्रो. एसएस मरवाहा ने कहा कि इस वर्कशॉप को करवाने का उद्देश्य रहा कि इस दिशा में किए जाने वाले कामों के लिए न्यायिक, सरकारी, गैर-सरकारी संस्थाओं और प्रमुख शख्सियतों के विचार लिए जाएं, ताकि जो बड़े स्तर पर लोगों तक पहुंचाने के लिए मुहिम शुरू की जा सके। सेमिनार में हवा, पानी और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट पर खुलकर विचार किया गया। इसके अलावा इनके प्रबंधन के लिए मीडिया की तरफ से किए जा रहे सहयोग के बारे में भी चर्चा की गई। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस वर्कशॉप में मिले विचारों से वातावरण को बचाने के लिए रणनीति तैयार की जाए। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि इससे आम लोगों में भी वातावरण को बचाने के लिए संदेश जाएगा और वह अपने आसपास को साफ रखने के लिए यत्न करेंगे।

इनकी रही खास मौजूदगी: वर्कशॉप को साइंस, टेक्नोलॉजी और वातावरण विभाग के प्रमुख सचिव अलोक शेखर, पीएयू के वाइस चांसलर डॉ. बलदेव सिंह ढिल्लों, दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस चांसलर प्रो. सीआर बाबू, पंजाब के पूर्व मुख्य सचिव एससी अग्रवाल, हरियाणा के पूर्व प्रमुख सचिव उर्वशी गुलाटी, केंद्रीय प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के पूर्व मेंबर सेक्रेटरी जेएस कमोत्रा, जिला और सेशन जज गुरबीर सिंह, इनकम टैक्स के चीफ कमिश्नर बीके झा, मारवेज डिकोडर सोसाइटी के प्रमुख राजपाल सिंह मक्कानी, पीएयू के पसार शिक्षा के डायरेक्टर डॉ. जसकरण सिंह माहल, नगर कौंसिल शहीद भगत सिंह नगर के प्रधान ललित मोहन पाठक, पीजीआई से प्रो. रविंदर खाइवाल, पर्यावरण प्रेमी बाबा बलबीर सिंह सींचेवाल मौजूद रहे।

आज से शुरू होने वाली निट वर्ल्ड प्रदर्शनी में ताइवान की हाईटेक मशीन आएगी

लुधियाना| ताइवान की आधुनिक मशीन जुंन लॉन्ग की मशीन दाना मंडी में लगने वाली निटवर्ल्ड प्रदर्शनी में नजर आएगी। यह इंटरलॉक और तीन थ्रेड

एनआरएमयू चुनाव 30 मार्च को, उम्मीदवार-वर्कर तैयारी में जुटे

लुधियाना| एनआरएमयू के चुनावों

इंटेक्सट एक्सपो का उद्घाटन गवर्नर बीपी बदनौर ने किया

पीएयू इंप्लाइज यूनियन

लुधियाना। पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी में इंप्लाइज यूनियन के चुनाव निपटने के बाद जीते हुए

PPCB WORKSHOP ON ENVIRONMENT PROTECTION

Polluters are murderers of ecology: NGT chief

Harsimran Singh Batra

(From left) PPCB chairman SS Marwaha, NGT chairperson Adarsh Kumar Goel, chairman of NGT monitoring committee for the Sutlej and the Beas justice Jasbir Singh, PAU vice-chancellor BS Dhillon, environmentalist Balbir Singh Seechewal and chairman of NGT monitoring committee for the Ghaggar justice Pritampal Singh during a workshop on environment protection on the university campus in Ludhiana on Friday. GURPREET SINGH/HT

LUDHIANA: Talking about the overflowing secondary garbage dumps situated at Kailash Nagar and Subhash Nagar here on the National Highway-44, National Green Tribunal (NGT) chairperson Adarsh Kumar Goel called polluters 'murderers' of the environment.

Goel, who was in the city to participate in the first workshop on environment protection organised by the Punjab Pollution Control Board (PPCB) at Punjab Agricultural University (PAU) on Friday, said though he had asked police commissioner to see if legal action can be taken against the defaulters, everyone should come forward to deal with the problem.

"Solid waste management is a major concern across the country. A major part of the sewage is not being treated, while illegal sand mining is also affecting river ecology," said Goel while addressing the workshop dedicated to the 550th birth anniversary of Guru Nanak.

'LUDHIANA WORST'

Meanwhile, the chairman of the NGT monitoring committee for the Sutlej and the Beas, Justice Jasbir Singh, said, "Ludhiana is the worst in terms of pollution. People used to bathe in the Buddha Nullah but now, the nullah even pollutes the Sutlej. Research has shown that life expectancy has reduced by two years due to pollution."

"India has 2% area of the world but pumps 25% of the ground water. Punjab will run out of ground water in the next 25 years as people have failed to perform their duties," said Singh.

PPCB chairman SS Marwaha said environment issues were not a priority after independence. "NGT was formed as the departments were not able to work properly. The conditions are improving as the NGT has framed strict norms and policies," he said.

'WORK TOGETHER'

Chairman of NGT monitoring committee for the Ghaggar river, Justice Pritampal Singh, said, "NGOs and the society should come forward for finding a solution to the problem. Tokyo, a city in Japan with a population of around 3.5crore, does not throw a single piece of garbage into the water body which moves across it, but in Ludhiana, people throw garbage over the fence."

Former Delhi University pro vice-chancellor CR Babu said water scarcity is a major challenge across the globe, besides maintenance of sewage treatment plants (STPs) and effluent treatment plants (ETPs). "Constructed wetland technology should be adopted which is more efficient than STP and ETP," said Babu.

PAU vice-chancellor Baldev Singh Dhillon said, "Farmers should stop damaging the environment and soil by burning paddy straw and using fertilisers. They should go for diversification and cultivate crops which require less water."

Senior officials of PPCB, MC commissioner Kanwalpreet Kaur Brar and city councillors among others participated in the workshop.

PLASTIC BOTTLES RAISE EYEBROWS

Councillor Mamta Ashu questioned the use of plastic bottles to serve water during the workshop. "The PPCB is spreading awareness against plastic use, but failed to practice what they preach. Also, nothing concrete was discussed regarding the Buddha Nullah which is a major challenge for the city," she said.

ਜਗ ਬਾਣੀ

ਵਾਤਾਵਰਣ ਦੀ ਸੁਰੱਖਿਆ 'ਤੇ ਆਯੋਜਿਤ ਵਰਕਸ਼ਾਪ 'ਚ ਐਨ. ਜੀ. ਟੀ. ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਗੋਇਲ ਨੇ ਦਿਖਾਈ ਡਰਾਉਣੀ ਹਕੀਕਤ

ਵਾਤਾਵਰਣ ਦੇ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ ਨੂੰ ਮਿਲ ਕੇ ਹੱਲ ਕਰਨਾ ਹੋਵੇਗਾ : ਮਰਵਾਹਾ

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि लोकसभा चुनाव में मताधिकार का सर्वाधिक उपयोग करना यह दिखाता है कि जनता का लोकतंत्र में विश्वास बढ़ा है। अभिव्यक्ति की आजादी में संविधान की मर्यादाओं का पालन किया जाए, यह आशा की जाती है। लोकसभा अध्यक्ष ने छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले बच्चों से बातचीत में कहा, मैं अमर उजाला परिवार को बधाई देता हूं, जिसने बच्चों को देश के लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर को देखने का सौभाग्य दिया। उन्होंने बच्चों को बताया कि भारतीय संसद का इतिहास काफी लंबा है। यह आजादी से पहले का भी है और आजादी के बाद का भी। इसलिए बच्चों को इस इतिहास से जरूर परिचित कराना चाहिए। उन्होंने बच्चों को संसद की कार्यवाही देखने के लिए कहा, जिससे कि लोकतंत्र के प्रति उनका विश्वास बढ़े। अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति 2019 पाने

राजनीति में ज्ञानवान लोग आएंगे, तो

सम्मान समारोह में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से सवाल पूछते विजेता छात्र।

लोकसभा स्पीकर से सम्मानित होने से पहले बच्चों ने उनसे अपने मन की बात भी की, सवाल भी पूछे। जम्मू कश्मीर की छात्रा मनी देवी ने उनसे सवाल किया, उन्होंने जीवन में किस तरह की कठिनाइयों का सामना किया और कैसे उन पर फतह पाई। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन से लेकर विधायक बनने तक के सफर को साझा किया। कैसे उन्होंने गरीबों और अभावों में रहने वालों की मदद की। साथ ही कहा, जीवन में आत्मविश्वास बेहद जरूरी है। दृढ़ इच्छा शक्ति, उत्साह, उमंग और विश्वास होना चाहिए। विपरीत परिस्थितियों में भी संकल्प पूरे हो जाते हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश के छात्र राहुल कुमार ने पूछा कि

बिरला बोले- राजनीति भी आगे आएं नौजव

पर्यावरण बचाने को करना होगा काम: जस्टिस गोयल

अमर उजाला ब्यूरो

एनजीटी के चेयरपर्सन ने पीएयू में आयोजित वर्कशॉप को किया संबोधित

लुधियाना। आज साइंस ने चाहे कितनी भी तरक्की कर ली हो, लेकिन पानी, हवा या फिर भूमि को किसी फैक्टरी में तैयार नहीं जा सकता है। पर्यावरण को बचाने के लिए आम लोगों, सरकार व साइंटिस्ट को पहल करनी होगी। तभी हम इस धरती को बचा सकेंगे। यह विचार नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के चेयरपर्सन व जस्टिस आदर्श कुमार गोयल ने व्यक्त किए।

वह शुक्रवार को पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी की तरफ से प्रदूषण को आयोजित वर्कशॉप में शिरकत करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि लुधियाना पुलिस कमिश्नर राकेश अग्रवाल से बात हुई तो उसने पूछा कि आप लॉ एंड आर्डर को मेनटेन रखने का काम करते हो, अपराधियों को पकड़ सकते हो, जो पर्यावरण की हत्या कर रहे है, क्या उन्हें पकड़ सकते हो। पर्यावरण की सुरक्षा न होने से लाखों लोग मर रहे हैं। अगर दस लाख लोग मर रहे हैं, इसके जिम्मेदार दस लोगों को पकड़ा जा सकता है। क्योंकि अभी सजा का सिस्टम कामयाब नहीं है।

उन्होंने कहा कि पूरे देश में जितना कचरा पैदा हो रहा है, उसका प्रबंधन नहीं हो पा रहा है। जितना वेस्ट पूरे देश में जनरेट हो रहा है, उसमें से केवल 20 से 25 फीसदी वेस्ट ही ट्रीट हो रहा है। ऐसा ही हाल सीवरेज का है। केवल 37 फीसदी सीवरेज जनरेशन की कैपेस्टी है और बाकी का सीवरेज पानी बॉडी में गिर रहा है। इसके लिए एसटीपी बनाना बड़ा महंगा सिस्टम है। 73 फीसदी सीवरेज को एसटीपी के जरिए निवारण करना बेहद महंगा व लंबी प्रक्रिया है। देश में 122 शहर बड़े पैमाने पर दूषित है, और 100 दूषित इंडस्ट्रियल कलस्टर है।

उन्होंने कहा कि प्रदूषण की रोकथाम के लिए अब सख्त कदम उठाए हैं। इसमें किसी एक व्यक्ति के काम करने से कुछ नहीं होगा, जब तक सभी मिलकर ,काम नहीं करेंगे।

वातावरण प्रेमी संत बलबीर सिंह सीचेवाल ने कहा कि आज प्रदूषण हमारी एक बड़ी समस्या है। अदालत ने इस पर सख्त फैसला लिया है, जोभी प्रदूषण फैलाएगा उस पर सख्त कार्रवाई होगी। प्रदूषण के मुद्दे पर लुधियाना नगर निगम की कोई भी गलती सामने आएगी, उसमें किसी स्तर का अफसर शामिल क्यों ना हो छोड़ा नहीं जाएगा। अवेयरनेस

लुधियाना के पीएयू स्थित डाक्टर मनमोहन सिंह आडिटोरियम में पर्यावरण सुरक्षा को लेकर आयोजित सेमीनार में हिस्सा लेने वाले अतिथि। संवाद

पर्यावरण सुरक्षा को लेकर आयोजित सेमीनार में बैठे लोग। संवाद

कार्यक्रम में लुधियाना मेयर के शामिल ना होने पर भी उन्होंने कहा कि ये उनका निजी फैसला है। इस मौके पर जस्टिस प्रीतम पाल, पीएयू के वाइस चांसलर डा. बलदेव सिंह ढिल्लों, पीपीसीबी के चेयरमैन सतविंदर सिंह मरवाहा, आयकर विभाग के चीफ कमिश्नर बीके झा, डीसी प्रदीप अग्रवाल, पुलिस कमिश्नर राकेश अग्रवाल, निगम कमिश्नर केपी बराड़, पार्षद ममता आशु सहित कई गणमान्य मौजूद थे।

चिंताजनक

केस ट्रेस करने में गुरदासरपुर अव्वल, लुधियाना सबसे फिसड्डी, अनट्रेस केस में 1012

छह साल में 8432 नाबालिग लापता, 14

वरिन्दर राणा

लुधियाना। पंजाब में नाबालिग लड़के

छह साल में गायब बच्चों

प्रदूषित हवा और पानी से मौत, हत्या ही है

जस्टिस गोयल ने कहा, देश में पर्यावरण की स्थिति बनी गंभीर ; कूड़े से हवा और पानी हो रहा प्रदूषित

जागरण संवाददाता, लुधियाना : देश में पर्यावरण की स्थिति काफी गंभीर है। कूड़ा प्रबंधन सही ढंग से नहीं हो रहा। देश की 351 नदियां और 100 औद्योगिक कलस्टर प्रदूषित हो चुके हैं। हत्या करने वाले को सजा मिलती है, लेकिन प्रदूषित हवा और पानी के कारण रोजाना बड़ी संख्या में लोग मर रहे हैं। व्यावहारिक तौर पर यह उनकी हत्या ही है। यह बातें नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के चेयरमैन जस्टिस आदर्श कुमार गोयल ने कहीं। वह शुक्रवार को पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) की ओर से पीएयू के डॉ. मनमोहन सिंह ऑडिटोरियम में पर्यावरण संरक्षण पर आयोजित वर्कशॉप में मौजूद लोगों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि देश में कमजोर कूड़ा प्रबंधन के कारण 4100 बड़े शहरों में कूड़े के ढेर देखने को मिल जाते हैं। देश में केवल 25 से 30 फीसद कूड़े का निपटारा हो रहा है। बाकी इधर-उधर बिखरा रहता है। लुधियाना भी इसमें शामिल है [illegible]

[illegible]

351 नदियां और सौ औद्योगिक कलस्टर प्रदूषित

41 सौ बड़े शहरों में कूड़ा प्रबंधन के इंतजाम तक नहीं

पानी की किल्लत 21वीं सदी की बड़ी चुनौती : प्रो. बाबू

[illegible]

सरकारी तंत्र पर बरसे संत बलबीर सिंह सींचेवाल

[illegible]

पर्यावरण संभाल में तेजी लानी होगी : जस्टिस प्रीतम पाल

[illegible]

अब न उठाए कदम, बिगड़ेंगे हालात : जस्टिस जसबीर

[illegible]

साथ सरोकार के तहत जागरण निभा रहा जिम्मेदारी : अमित

[illegible]